NCERT SOLUTIONS

CLASS - 10th

aglasem.com

Class : 10th

Subject : हिन्दी

Chapter : 3

Chapter Name : दोहे

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये -

Q1॰छाया भी कब छाया ढूँढ़ने लगती है?

Answer. ग्रीष्म ऋतु के जेठ मास की दोपहर में धूप इतनी तेज़ होती है कि सिर पर आने लगती है जिससे वस्तुओं की छाया छोटी होती जाती है| ऐसी गर्मी में छाया कहीं भी नजर नहीं आती। वह या तो कहीं घने जंगल में बैठी होती है या फिर किसी घर के अंदर। इसलिए लगता है कि गर्मी में छाया भी त्रस्त होकर छाया ढूँढ़ने लगती है।

Page: 16, Block Name : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये –

Q2॰बिहारी की नायिका यह क्यों कहती है 'कहिहै सबु तेरौ हियौ, मेरे हिय की बात'-स्पष्ट कीजिए।

Answer: बिहारी की नायिका विरह की अग्नि में जल रही है। उसे अपने संदेशवाहक पर बहुत विश्वास है। उसे लगता है कि संदेश लिखने के लिए कागज़ छोटा पड़ जाएगा। उसे अपना संदेश बोलने में शर्म भी आती है। इसलिए लिखते समय वह अपने मन की बात बताने में खुद को असमर्थ पाती है। इसलिए वह सोचती है कि मेरी जो विरह अवस्था है,वही उसके प्रिय की भी होगी। वह अपनी सखी से कहती है कि अपने हृदय की वेदना से वह मेरी वेदना को समझ जाएँगे। सच्चे प्रेमी एक-दूसरे के हृदय की बात को स्वयं ही महसूस कर लेते हैं।

Page: 16, Block Name : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये –

Q 3. सच्चे मन में राम बसते हैं-दोहे के संदर्भानुसार भाव स्पष्ट कीजिए।

Answer. इस दोहे में कहा गया है कि झूठमूठ के आडंबर से कोई फायदा नहीं होता है कवि बिहारी के अनुसार भक्ति का सच्चा रूप हृदय की सच्चाई में बसता है। बिहारी जी ईश्वर प्राप्ति के लिए धार्मिक कर्मकांड को दिखावा समझते थे। उनके अनुसार माला जपने, छापे लगवाने, माथे पर तिलक लगवाने से ईश्वर की प्राप्ति नहीँ होती । लेकिन यदि सच्चे मन से पूजा की जाए तो फिर भगवान अवश्य मिल जाते हैं।

Page: 16, Block Name : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये -

Q4॰ गोपियाँ श्रीकृष्ण की बाँसुरी क्यों छिपा लेती हैं?

Answer. गोपियाँ कृष्ण से बात करने की लालसा से बाँसुरी छिपा लेती हैं।गोपियाँ श्रीकृष्ण से बहुत प्रेम करती हैं। श्रीकृष्णको बाँसुरी बहुत प्रिय है। वे उसे बजाते समय सुध-बुध भूल जाते हैं। गोपियाँ उनका ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने के लिए मुरली छिपा देती हैं ताकि बाँसुरी माँगने के बहाने कृष्ण उनसे बातें करें। जब श्रीकृष्ण उनसे बाँसुरी के बारे में पूछते हैं तो गोपियाँ बाँसुरी अपने पास होते हुए भी इंकार कर देती हैं, इसी बहाने उन्हें श्रीकृष्ण से बात करने का अवसर मिल जाता है ।

Page: 16, Block Name : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये -

Q5. बिहारी कवि ने सभी की उपस्थिति में भी कैसे बात की जा सकती है, इसका वर्णन किस प्रकार किया है? अपने शब्दों में लिखिए।

Answer. कवि बिहारी ने बताया है कि घर में सभी की उपस्थिति में नायक और नायिका इशारों में अपने मन की बात करते हैं।नायक और नायिका आँखों ही आँखों में रूठते हैं, मनाते हैं, मिलते हैं, खिल जाते हैं और कभी कभी शरमाते भी हैं। नायिका परिवार के लोगों के बीच बैठी है, तभी नायक द्वार पर आकर उससे इशारे में प्रेम-निवेदन करता है पर नायिका इशारे से मना कर देती है । दोनों के नेत्र मिल जाने पर आँखों में प्रेम स्वीकृति का भाव आता है। इस पर नायक प्रसन्न हो जाता है और नायिका की आँखों में लज्जा आ जाती है। इस प्रकार कवि बिहारी का कहना है कि प्रेम- प्रदर्शन में शब्दों की आवश्यकता नहीं पड़ती।

Page: 16, Block Name : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये -

(ख) निम्नलिखित का भाव स्पष्ट कीजिए-

Q1. मनौ नीलमनि-सैल पर आतपु पर्यो प्रभात।

Answer. इस पंक्ति में श्रीकृष्ण के अतुल्य सौंदर्य का वर्णन है। कृष्ण के साँवले शरीर पर पीला वस्त्र ऐसी शोभा दे रहा है, जैसे नीलमणि पहाड़ पर सुबह की सूरज की किरणें पड़ रही हैं।

Page: 16, Block Name : निम्नलिखित का भाव स्पष्ट कीजिए-

Q2. जगतु तपोबन सौ कियौ दीरघ-दाघ निदाघ।

Answer. इस पंक्ति का भाव यह है कि ग्रीष्म ऋतु की गर्मी के कारण जंगल किसी तपोवन की तरह हो गया है। साँप,मोर, हिरण और सिंह सभी पशु , गर्मी से बचने के लिए एक साथ रह रहे हैं। जैसे तपोवन में विभिन्न इंसान आपसी द्वेषों को भुलाकर एक साथ बैठते हैं, उसी तरह गर्मी के प्रभाव से बचने के लिए ये आपसी शत्रुता को भूलकर प्रेम से एक साथ रह रहे हैं।

Page: 16, Block Name : निम्नलिखित का भाव स्पष्ट कीजिए-

Q3. जपमाला, छापैं, तिलक सरै न एकौ कामु।

मन-काँचै नाचै बृथा, साँचै राँचै रामु।।

Answer. इस दोहे में कहा गया है कि झूठमूठ के आडंबर से कोई फायदा नहीं होता है कवि बिहारी के अनुसार भक्ति का सच्चा रूप हृदय की सच्चाई में बसता है। इस दोहे का भाव है कि माला जपने, छापे लगवाना, माथे पर तिलक लगवाने अर्थात बाहरी दिखावों से ईश्वर की प्राप्ति नहीं होती। कच्चे मन वालों का हृदय विचलित रहता है, वे ही इन व्यर्थ के आडंबरों में भटकते रहते हैं। राम तो सच्चे मन से याद करने वाले के हृदय में रहते हैं इसलिए मन पर नियंत्रण ही एकनिष्ठ भक्ति है।

Page: 16, Block Name : निम्नलिखित का भाव स्पष्ट कीजिए

योग्यता विस्तार

Q. 1. सतसैया के दोहरे, ज्यों नावक के तीर |

देखन में छोटे लगै, घाव करें गंभीर | |

अध्यापक की मदद से बिहारी विषयक इस दोहे को समझने का प्रयास करें | इस दोहे से बिहारी की भाषा संबंधी किस विशेषता का पता चलता है?

Answer - छात्र स्वयं करें |

Page: 16, Block Name : योग्यता विस्तार

परियोजना कार्य

Q. 1. बिहारी कवि के विषय में जानकारी एकत्रित कीजिए और परियोजना पुस्तिका में लगाइए |

Answer - छात्र स्वयं करें |

Page: 16, Block Name : परियोजना कार्य

aglasem.com